

ग्रसामा रख

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3----उपक्रव्ह (ii) PART II-Section 3-Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्ली, वृहस्पित्वार, फरवरी 22, 1973/फाल्गुन 3, 1894 सं• 69] No. 691

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 22, 1973/PHALGUNA 3, 1894

इस भाग भें भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रस्तग संकलन के रूप में रका जा सक्ते। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February 1973

S.O. 105(E)—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), and in partial modification of the notification in the Government of India in the late Ministry of Commerce, No. S.O. 1844, dated the 18th June, 1966, in so far as it relates to the cattle fodder of any of the varieties specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by section 3 of the said Act to make orders under clauses (c), (d), (e), (f), (h), (i) and (j) of sub-section (2) of that section shall be exercisable also by the Government of the State of Madhya Pradesh in that State.

This order shall come into force on the date of its publicat on in the Gazette of India and shall remain in force upto and inclusive of the 31st March, 1973.

THE SCHEDULE

Varieties of Cattle Fodder

- (i) Grass.
- (ii) Kadbi (Juar Stems).
- (iii) Wheat Bhusa.
- (iv) Paddy Stems.

[No. 24-8/72-L.D.III.] V. K. MALIK, Director (AH). मृषि मन्नालय

(कृषि विभाग)

प्रधिमुचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1973

का० ग्रा० 105(ग्र):— आवण्यक वस्तु श्रिधिनियम, 1955(1955 का 10) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० ग्रा० 1844, तारीख 18 जून, 1966, जहां तक वह उससे उपावद्ध श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी भी किस्म के पशु चारे से संबंधित हैं, के ग्रांशिक उपान्तरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा यह निदेश देती है कि उक्त श्रिधिनयम की धारा 3 द्वारा उक्त धारा की उप घारा (2) के खंड (ग), (घ), (इ), (च), (ज), (द्वा) श्रीर (ङा) के श्रिधीन आदेश देते के लिए, उसे प्रदत्त शक्ति तं, मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा भी उस राज्य में प्रयोक्तव्य होंगी।

यह ग्रादेश, भारत के राजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रयुत्त होगा ग्रीर 31 मार्च, 1973 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रयुत्त रहेगा।

प्रनुसूची

पश्चारे की किस्में

- (i) **घा**स
- (ii) कड़बी (ज्वार सर्वे)
- (iii) गेहूं का भूसा
- (iV) धान का पुत्राल

[सं० 24--8/72-- एल० डी० 3] बी० के० मलिक, निदेशक (ए एच)।